थारे दाय पड़े तो आइजे.....

थारे दाय पड़े तो आइजे, थारी मरजी है तो आइजो,
थारे जचती हे तो आइजे,
मैं तो जोवां थारी बाट म्हारा साँवरा रे ।। टेर ।।

जोंजर के आवे तो साँवरा, चुपके–चुपके आइजे,
पगरी मीठी पायल मोरे कानों में झमकाइजे,
धीरे से बतलाई जे रे कान्हा धीरे से बतलाइजे,
मारो ध्यान चूक नहीं जावे, जड़ सूँ जीव निकल नहीं जावे,
मन री मन में ही रह जावे।।1 ।।

भर दोहपारो आणो है तो कालिन्दी तट पर आइजे,
कामधेनु गऊ माता थारे संग में ले तो आइजे,
आवणो है तो कान्हा आवणो हे तो आइजे,
थारी मुरली साथे लाइजे, थारी बंशी साथे लाइजे,
माने मीठी तान सुनाइजे, आपा बैठोला एकला थोड़ी।।2 ।।

सिंजा पड़ियों आणो हे तो देख चांदणो आइजे,
मारी सौगन्ध मान सके तो मैं कैऊ हूँ जरूर आइजे,
शंख,चक्र और गदा पदम ले धारण करने आइजे,
घर में जोत जगे जदे आइजे, झालर झोंजर सुणजे,
आइजे थारी शिव मण्डली, जस गावे है,
मोरे जागणियां में आइजे।।3 ।।

बड़े बड़ाई ना करें, बड़े न बोलें बोल ।
रहिमन हीरा कब कहे, लाख टका है मोल ।।